एनएसक्यूएफ का दायरा बढ़ा

इस स्कीम के तहत पास होने वालों को अब रेगूलर कॉलेजों में मिलेगा एडमिशन

■ पूनम गौड़, गुड़गांव

हरियाणा के 240 सरकारी स्कूलों से वोकेशनल ट्रेनिंग कर रहे स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है। देश की किसी भी यूनिवर्सिटी में उनके एडमिशन मिलने का रास्ता साफ हो गया है। हरियाणा शिक्षा विभाग ने इसके लिए यूजीसी से करार कर लिया है। अब नैशनल स्किल्स क्वॉलिफिकेशन फ्रेमवर्क के तहत पढ़ रहे बच्चे भी रेगुलर कोर्स में एडमिशन ले सकेंगे। एनएसक्यूए के एडिशनल डायरेक्टर के. के. अग्निहोत्री का कहना है कि वोकेशनल कोर्स शुरू करने का मकसद बच्चों को रोजगार के लिए आगे बढ़ाना है। लेकिन कई बच्चे ऐसे हैं जो 18 साल से कम हैं व आगे की पढ़ाई कन्टीन्यू करना चाहते हैं। इसी को लेकर यूजीसी से बात की गई जिसके बाद यूजीसी ने इन वोकेशनल कोर्स को भी जनरल कोर्स के समान वेटेज की नोटिफिकेशन दे दी है।

सेंट्रलाइज्ड स्कीम एनएसक्यूएफ को हरियाणा में सबसे पहले शुरू किया गया है। इस स्कीम के तहत फिलहाल प्रदेश के 240 गवर्नमेंट स्कूलों में बच्चों को रगुलर एजुकेशन के साथ वोकेशनल कोर्स की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यह स्कीन नौवीं से बारहवीं तक के क्लास के लिए है। इस साल इस स्कीम के तहत स्टूडेंट्स पास आउट भी कर रहे हैं। लेकिन इन स्टूडेंट्स के पास वोकेशनल सबजेक्ट्स होने की बजह से बड़ा सवाल यह था कि इन स्टूडेंट्स को रेगुलर कॉलेजों में एडमिशन मिलेगा या नहीं। यूजीसी ने एक नोटिफिकेशन जारी कर दी है। इसमें कहा गया है कि अंडर ग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए एनएसक्यूएफ के वोकेशनल सबजेक्ट को भी जनरल सबजेक्ट के समान ही वेटेज दी जाए।

यूजीसी से करार किए जाने के बाद सबसे पहले हरियाणा में शुरू किया गया था इस स्कीम को

यह नोटिफिकेशन सभी सेंट्रल और स्टेट यूनिवर्सिटीज में भी भिजवा दिया गया है। इस स्कीम के तहत गुड़गावं में आठ, मेवात में 8 और फरीदाबाद में 13 स्कूल शामिल हैं। हर स्कूल में दो ट्रेड दिए गए हैं। हर ट्रेड में 25 से 30 बच्चे इन सबजेक्ट्स को पढ़ रहे हैं। ऐसे में इस नोटिफिकेशन के बाद इन बच्चों के हायर स्टडीज का रास्ता साफ हो गया है।